अंक 39
नवम्बर 2024
मूल्य :100 रु

ISSN : 2348 - 2672

लहक

साहित्य की वैचारिक पत्रिका

शांति सुमन :
गीतों की सुबह से गीतों की शाम तक की पूरी दास्तान

- डॉ. कर्ण सिंह चौहान

देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद :
देश-काल के शर से बिंध कर

- श्रीभगवान सिंह

सीताराम येचुरी और बुद्धदेव भट्टाचार्य :
वर्तमान वामपंथ के दो प्रमुख ट्रैजिक नायकों की विदाई

- अरुण माहेश्वरी

लहक अंक 39

लहक

RNI No.-WBHIN/2013/53192, Vol-11-12, Issue-125-135, Rs.100/-

अंक 39

ISSN : 2348-2672 ■ मूल्य : 100 रु /-

जनवरी-नवम्बर 2024

सौधात्री प्रकाशन

लहक

सम्पादक

निर्भय देवयांश

E-mail : lahakmonthly@gmail.com

पत्राचार पता : (केवल पत्राचार के लिए)
बी-3, बांदीपुर रोड, मिस्त्रीपाड़ा, बांसद्रोणी,
थाना - रिजेन्ट पार्क, कोलकाता - 700070

1. Name of the A/C :Saudhatri Prakashan
2. Name of the Bank :Indian Bank
3. Name of the Branch:Central Avenue, Kolkata - 700012
4. Address of the Bank:Indian Bank Central Avenue, Kolkata - 700012
5. MICR : 700019008
6. Type of Account : Saving
7. Account No. : 6056260007
8. IFC Code : IDIB000C004

Cheque should be in favour of 'Saudhatri Prakashan'

अंक : 125-135 (संयुक्तांक)

स्वागतम 2025

शान्ति सुमन विशेषांक

इस अंक में :

संपादकीय : डॉ. कर्ण सिंह चौहान
5. शांति सुमन :
गीतों की सुबह से गीतों की
शाम तक की पूरी दास्तान
20. शांति सुमन: जीवन परिचय
22. माँ के जन्म दिन पर: चेतना वर्मा
25. डॉ. शान्ति सुमन :
नवीन बिम्बधर्मिता की अद्भुत कवयित्री:
डॉ. मधुसूदन साहा

Printer and Publisher :
Nirbhay Devyansh, on behalf of owner
Saudhatri Prakashan,
Printed at : Shikshan ,
50, Sitaram Ghosh Street,
Kolkata - 700009
Published at : B-3 Bandipur Road,
MistryPara, Bansdroni, P.S.- Regent
Park, Kolkata- 700070
Editor : Nirbhay Devyansh

© सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशित सामग्री के उपयोग के लिए लेखक, प्रकाशक की अनुमति अनिवार्य है।
- प्रकाशित रचनाओं के विचार से प्रकाशक, सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
- समस्त विवाद कलकत्ता न्यायालय के अन्तर्गत विचाराधीन होगा।

लहक

34. शान्ति सुमन :
मनुष्य की पहचान कराने वाली नवगीतकार: रमेश गौतम

शान्ति सुमन को लेकर कहिन:

42. राजेन्द्र प्रसाद सिंह, 54. विश्वम्भर नाथ उपाध्याय 77. डॉ. रेवती रमण 116. डॉ. सुरेश गौतम 121. देवेन्द्र कुमार 133. विश्वनाथ प्रसाद 150. ओम प्रभाकर 156. चन्द्रभूषण तिवारी 208. सत्यनारायण

43. केसर रंग रँगा मन मेरा : प्रो. वशिष्ठ अनूप

शान्ति सुमन के नवगीत / गीत-संग्रह:

50. ओ प्रतीक्षित 63. परछाई टूटती 90. मौसम हुआ कबीर 95. तप रहे कचनार 102. भीतर-भीतर आग 108. पंख-पंख आसमान 116. एक सूर्य रोटी पर 126. धूप रंगे दिन 146. नागकेसर हवा 153. लय हरापन की 173. लाल टहनी पर अड़हुल 183. सान्निध्या

पर अड़हुल

51. पहली बिहारी महिला नवगीतकार डॉ. शान्ति सुमन :डॉ. रामकृष्ण

55. 'थाली उतनी की उतनी ही- छोटी हो गयी रोटी': रामचंद्र ओझा

58. जिनके गीत की जमीन हरीगंध से सुवासित और मन के राग से रंजित हैं : पूनम सिंह

63. शांति जी गीत-निर्झरणी की एक प्रभावशाली कड़ी हैं : जयनंदन

69. डॉ. शांति सुमन की गीत साधना: सतीश कुमार राय:

78. नवगीत परम्परा का शिखर 'शान्ति सुमन' : उमाशंकर सिंह परमार

91. बिन तेरे ऐसा भी होता, हवा नहीं कुछ कहे हवा से ...: वेद प्रकाश

96. नवगीत विधा को सुभाषित और परिष्कृत करती नागकेसर हवा : शीला पांडे

सदस्यता शुल्क : 100 रुपये

व्यक्तियों के लिए : वार्षिक 1500 रु., त्रैवार्षिक 4500 रु., पंचवार्षिक 6000 रु., आजीवन 10,000 रु.

संस्थाओं के लिए : वार्षिक 1600 रु., त्रैवार्षिक 4700 रु., पंचवार्षिक 6500 रु., आजीवन 12,000 रु.

विदेश के लिए : हवाई डाक प्रति अंक 6 डॉलर, वार्षिक 60 डॉलर, जलमार्ग प्रति अंक 4 डॉलर, वार्षिक 30 डॉलर।

मनीऑर्डर/चेक/ बैंक ड्राफ्ट **Saudhatri Prakashan** के नाम से भेजें।

विधि सलाहकार
शम्भुनाथ राय (कलकत्ता हाईकोर्ट)

दिल्ली ब्यूरो - राजू बोहरा
मो. : 09350824380
प्रजा दत्त डबराल
मो. : 09810974880
मुंबई ब्यूरो - अमरनाथ
मो. : 09833188133
लखनऊ ब्यूरो - सुरेश कुमार
मो. : 08009824098
पटना ब्यूरो - आलोक नंदन शर्मा
मो. :06305978747

लहक

103. संवेदना की सान्द्र भावभूमि : मधु शुक्ला
109. शांति सुमन का गद्य साहित्य:
डॉ. चित्तरंजन कुमार
117. नवगीत चेतना की अप्रतिम सर्जक
डॉ. शान्ति सुमन: प्रद्युम्न कुमार सिंह
122. भीतर भीतर आग के परतों में संवेदना
और चेतना : शैलेन्द्र अस्थाना
127. जिनके गीत हृदय को छूते हैं : पद्मा मिश्रा
134. जनवादी संवेदना की समृद्ध कवयित्री
डॉ.शांति सुमन : अशोक शुभदर्शी
142. जन्म कब हुआ इसका महत्व नहीं,
महत्व रचनात्मक जीवन का है :
डॉ. शांति सुमन: डॉ. सोनरूपा विशाल
147. डॉ. शांति सुमन को मानबहादुर सिंह
'लहक' सम्मान के निहितार्थ :
डॉ. अरुण सज्जन
151. मानव मन की कथा व्यथा को स्वर देतीं,
नवगीत की सशक्त हस्ताक्षर:
डॉ. शान्ति सुमन: अनिता शर्मा
154. डॉ. शांति सुमन हमारी मौसी:
डॉ. जूही समर्पिता
157. डॉ. शांति सुमन जी के गीतों में
'माटी की महक है': माधुरी मिश्रा
161. 'कविता के आईने में शांति सुमन':
डॉ. ममता कुमारी
174. परिवर्तनकामी कवि: शांति सुमन :
अनामिका सिंह
181. नवगीत की राजकुमारी शांति सुमन जी:
विराट व्यक्तित्व और विनम्रता का संगम :
सरिता सिंह
184. 'संघर्ष और संवेदना को व्यक्त
करते शांति सुमन के नवगीत':
डॉ. सोनल
187. फूल कनेर के - डॉ. शान्ति सुमन :
वरुण प्रभात
190. राख पर भिनसार का सूरज
उगाते गीत : मोहन कुमार
200. शान्ति सुमन: जन की मुक्ति के
संवाद रचती गीतकर्त्री: दीपेश कुमार
209. डॉ. शांति सुमन - एक जमीनी
गीत कवयित्री : डॉ. उदय हयात
211. शांति सुमन पर बुद्धिनाथ मिश्र,
माहेश्वर तिवारी और नचिकेता की राय

इंटरव्यू: शांति सुमन के साथ

214. साहित्य में भी मर्यादा का पालन
करना आवश्यक है: शान्ति सुमन
225. नवगीत में ढली जनपक्षीय सरोकारों
की इबारतें : सुभाषचन्द्र गुप्त

मैथिली:

233. शांति सुमन : मैथिली साहित्यमे अवदान:
डॉ. विजयेन्द्र झा

240. **शांति सुमन की तस्वीरें:**

243. देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद: देश -
काल के शर से बिंध कर :
डॉ. श्रीभगवान सिंह
259. सीताराम येचुरी और बुद्धदेव भट्टाचार्य:
वर्तमान वामपंथ के दो प्रमुख
ट्रैजिक नायकों की विदाई:
अरुण माहेश्वरी/ सरला माहेश्वरी
268. कविता में 'क' की वापसी:
राकेश भारतीय

हयात

लहक

282. दुष्यंत हिन्दी ग़ज़ल के उद्गम पुरुष
की शाइरी की प्रासंगिकता :
डॉ. विनोद प्रकाश गुप्ता 'शलभ'

कविताएँ / ग़ज़ल :

296. सिद्धेश 298. सरला माहेश्वरी 308. धर्मपाल महेंद्र जैन 311. एम डी सिंह 314. उमर चंद जायसवाल

कहानियाँ:

316. अपने-पराये : देवी नागरानी
323. मस्तेपुर की पूजा : डॉ. अनिल मिश्र

समीक्षाएँ :

331. 'तृप्ति की एक बूंद': पर आधी-अधूरी टिप्पणी: राजेश ओझा
335. 'दस जीवनियाँ': दस महान आत्माओं का जीवन वृत्त:
डॉ. संजय कुमार मालवीय
342. ध्वजभंगी चेतना की मारक आलोचना:
उमानाथ लाल दास
345. समसामयिक चुनौतियाँ और विमर्श के नए कारक : चन्द्रशेखर सिंह
352. सामाजिक सरोकारों से लबरेज महेन्द्र नारायण पंकज की कहानियाँ:
शिल्पी कुमारी
357. कोसी कथा यात्रा का एक वृहत्तर पाठ: पूनम सिंह
362. कम्युनिस्ट होना चाहते ब्राह्मण की कविता: कैलाश दहिया

साहित्यिक गतिविधि :

371. श्रीलाल शुक्ल स्मृति इफको साहित्य सम्मान 2024 में एक सच्चे लेखक चन्द्रकिशोर जायसवाल का पुरस्कार प्राप्ति के बाद का वक्तव्य

बतरस:

373. साहित्य के गलियारे से

... और अंत में :

376. उकता ही तो गए हैं हम-
जिन्दगी खास नहीं भरम:
निर्भय देवयांश

शांति सुमन की एक अनन्य पारिवारिक तस्वीर।

लहक

संपादकीय

शांति सुमन :
गीतों की सुबह से गीतों की
शाम तक की पूरी दास्तान

- डॉ. कर्ण सिंह चौहान

हमने जबसे साहित्यिक होश संभाला तबसे शांति सुमन जी का नाम सुनते आ रहे हैं। वैसे वह हमारी समकालीन रही हैं लेकिन या तो साहित्यिक प्रतिष्ठा या शायद जनमानस में गीत की सहज स्वीकृति से मिली लोकप्रियता के कारण। उनकी और हमारी आयु में दो-चार बरस का ही फर्क होगा। लोगों की मानें तो उनका जन्म सहरसा, बिहार के कासीमपुर गांव में सितंबर 1942 में हुआ जिसे स्वयं शांति सुमन जी ने पिता की डायरी के प्रमाण के आधार पर सितंबर 1944 को माना है। जो भी हो, उनका हमसे उम्र में बड़ा होना और समकालीन होना तो पक्का है।

जैसा कि हर गांव-देहात के साधारण परिवार में जन्म लेने वालों के साथ होता है वे या तो बचपन से ही दुख, गरीबी, दलिद्दर, उत्पीड़न, शोषण, दमन आदि के भुक्तभोगी होते हैं या फिर यदि स्थिति मध्यवित्त की है तो अपने चारों ओर इन दुखदायी परिस्थितियों को पसरे हुए देखते हैं। देखते सब हैं लेकिन हजारों में से कुछ ही ऐसे संवेदनशील होते हैं जो इन्हें गहरे में अनुभव करते हैं, विचलित होते हैं और उन्हीं में से कुछ और आगे जाकर इनका संप्रेषण करना, प्रतिकार करना या इन्हें बदलने में अपने जीवन और कर्म की उपयोगिता समझते हैं।

शांति सुमन जी इस अंतिम प्रजाति की रचनाकार हैं जिन्होंने अपने चारों ओर फैले इस दुख, दरिद्रता, दमन और लाचारी की अमानवीय स्थितियों को ही बचपन से दिल पर लिया और उनसे विचलित होकर उन्हें शब्दबद्ध करने का और उससे भी आगे जाकर उन्हें बदलने के रचनात्मक और वास्तविक जीवन-संघर्ष में शामिल होने का संकल्प लिया। उनके इस रचनात्मक संघर्ष का परिणाम हैं लगभग पंद्रह गीत-संग्रह, दो कविता-संग्रह, एक उपन्यास, एक आलोचना पुस्तक, कुछ अनुवाद और अनेक संपादित ग्रंथ, पत्र और पत्रिकाएं। जहां तक रचनात्मक संघर्ष से इतर वास्तविक जीवन में इन परिवर्तनकामी संघर्षों में भाग लेने का संबंध है इसमें मेरी जानकारी केवल सुनी-सुनाई बातों के आधार पर ही है या उनके संपर्क के व्यक्तियों के संसर्गों के कारण कि वे वामपंथी संगठनों और उनमें भी धुर वाम संगठनों से संबद्ध रहीं या उन्होंने उन्हें अपने में से एक माना। रचनात्मक लेखन और सम्मानों के रूप में प्राप्त हुई सफलताओं की सूची इस परिचात्मक टिप्पणी के अंत में